# ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग
उद्यानिकी और वानिकी विश्वविद्यालय के डॉ। वाई.एस.
नौनी सोलन, हिमाचल प्रदेश

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 21-11-2025**

**सोलान(हिमाचल प्रदेश ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-11-21 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2025-11-22 | 2025-11-23 | 2025-11-24 | 2025-11-25 | 2025-11-26 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 23.0 | 23.0 | 23.0 | 23.0 | 22.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 4.0 | 4.0 | 4.0 | 3.0 | 3.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 74 | 74 | 75 | 75 | 78 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 54 | 54 | 55 | 55 | 58 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 65 | 65 | 67 | 68 | 68 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| चेतावनी | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं |

## पूर्वानुमान सारांश:

अगले पाँच दिनों तक मौसम शुष्क रहेगा। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 22.0-23.0ºC और 3.0-4.0ºC के बीच रहेगा। हवा की गति उत्तर-पूर्व दिशा में 7.8-8.4 किमी प्रति घंटा रहेगी। सापेक्ष आर्द्रता 54-78 प्रतिशत के बीच रहेगी।

## मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

 अगले 5 दिनों के लिए कोई मौसम चेतावनी जारी नहीं की गई है।

## मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

पिछले दिनों से लगातार शुष्क मौसम बना हुआ है और अगले पाँच दिनों तक भी मौसम शुष्क रहने की संभावना है। इससे मिट्टी में नमी की कमी, सिंचाई की बढ़ी हुई आवश्यकता तथा फसलों में कीट प्रकोप की संभावना बढ़ सकती है। अतः किसानों को सलाह दी जाती है कि वे फसलों में समय पर सिंचाई करें, सूखी घास या मल्चिंग सामग्री से फसलों को ढकें तथा फसलों की कीट हमले के लिए नियमित निगरानी करें।

## सामान्य सलाहकार:

 किसानों को खड़ी फसलों एवं सब्जियों में निराई-गुड़ाई करके खरपतवारों पर नियंत्रण करना चाहिए।  किसानों को मौजूदा मौसम की परिस्थितियों में संभावित कीट एवं रोग प्रकोप की नियमित निगरानी करें।  फलों

| |
|---|
| की तुड़ाई के बाद बगीचों को साफ-सुथरा रखें। □ फसल आधारित कृषि सलाहों का नियमित रूप से पालन करें। □ स्पष्ट (खुले) मौसम में ही पौध संरक्षण संबंधी कार्य करें। |

## लघु संदेश सलाहकार:

| |
|---|
| किसानों को सलाह दी जाती है कि वे फसलों में नियमित अंतराल पर सिंचाई करते रहें और पौधों के आसपास सूखी घास या मल्चिंग सामग्री बिछाकर मिट्टी की नमी संरक्षण सुनिश्चित करें। |

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गेहूँ | □ किसानों को गेहूं की फसल की बुवाई जारी रखने की सलाह दी जाती है। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| सेब | □ फलों की तुड़ाई के बाद बगीचों को साफ-सुथरा रखें। जब मौसम साफ और शुष्क हो, तब पेड़ों के तनों पर सफेद चुने का घोल लगाएं। इसके लिए 100 लीटर पानी में 30 किलोग्राम चुना, 500 ग्राम कॉपर सल्फेट (नीलाथोथा) और 500 मिली फ्लैक्स सीड (अलसी) का मिश्रण तैयार करें तथा इसे पेड़ के तनों पर 2-3 फीट ऊँचाई तक लगाएं। □ किसानों को सलाह दी जाती है कि सेब एफिड (Woolly Apple Aphid) की रोकथाम हेतु सेब के पेड़ों के मुख्य तने पर ज़मीन से लगभग 30–45 सेमी की ऊँचाई पर पीले चिपचिपे बैंड स्थापित करें, जिससे जड़ों से तने के माध्यम से छत्र की ऊपर की ओर चढ़ने वाले कीट प्रभावी रूप से नियंत्रित किए जा सकें। |
| पालक | □ आगामी दिनों में शुष्क मौसम की स्थिति के कारण मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए किसानों को फसलों में सिंचाई करने की सलाह दी जाती है। |
| गोभी | □ फसल के प्रारंभिक वृद्धि चरण में बालदार इल्ली (Hairy Caterpillar) की नियमित निगरानी करें। पत्तियों की निचली सतह पर अंडे समूह (Egg Masses) एवं प्रारंभिक अवस्था की सूक्ष्म लार्वा की जाँच करें। प्रारंभिक संक्रमण की स्थिति में किसानों को सलाह दी जाती है कि अंडे समूह एवं छोटी इल्लियों को हाथ से एकत्र कर नष्ट कर दें, जिससे कीट के प्रकोप को प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सके। |
| लहसुन | □ आगामी दिनों में शुष्क मौसम की स्थिति के कारण मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए किसानों को फसलों में सिंचाई करने की सलाह दी जाती है। मिट्टी में पपड़ी बनने से रोकने और जड़ों के बेहतर विकास हेतु हल्की गुड़ाई करें। |
| प्याज | □ किसानों को सलाह दी जाती है कि प्याज की पौध को खेत में 15 × 30 सेमी की दूरी पर रोपें, ताकि पौधों का उचित विकास हो सके। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | □ किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं के दानेदार आहार में प्रतिदिन 50 ग्राम विटामिन ई मिलाएँ। पशुओं में अफारा रोग को नियंत्रित करने के लिए उन्हें सूखी और हरी घास का मिश्रण दें। □ किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि वे रात में बछड़ों को ठंड से बचाने के लिए उन्हें बोरियों से ढकें और दिन में थोड़ी धूप दें। |

## अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

| अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) | अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| पौध - संरक्षण | □ प्राकृतिक खेती करने वाले किसान कीट-प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए अग्निस्त्र, ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र और दशपर्णी अर्क का साप्ताहिक अंतराल पर 3% की दर से तथा जीवामृत का 10% की दर से नियमित रूप से साफ मौसम में छिड़काव करें। □ पौधों के चारों ओर सूखी पत्तियों जैसी जैविक मल्च का उपयोग करें, जिससे मिट्टी में नमी संरक्षित रहे और खरपतवारों की वृद्धि पर नियंत्रण किया जा सके। |

## मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

पिछले दिनों से लगातार शुष्क मौसम बना हुआ है और अगले पाँच दिनों तक भी शुष्क रहने की संभावना है। इससे मिट्टी में नमी की कमी, सिंचाई की बढ़ी हुई आवश्यकता और फसलों में कीट प्रकोप की संभावना बढ़ सकती है।

## प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

 किसानों को सलाह दी जाती है कि वे समय पर सिंचाई करें, फसलों को सूखी घास से ढकें और कीट प्रकोप के लिए फसलों की नियमित निगरानी करें।

**Farmers are advised to download Unified �Mausam� and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.**

**Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/**

**Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details**

**Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details**